https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

एन एल आर पी-१२ से संबंधित आवर्तक फीवर (बुखार, ज्वर)

के संस्करण 2016

1. यह क्या है?

1.1 यह क्या है?

एन एल आर पी-१२ से संबंधित आवर्तक बुखार एक आनुवंशिक बीमारी है। इस बीमारी का कारण एन एल आर पी-१२ (या एन ए एल पी-१२) नामक अनुवंश है। मरीज़ों में आवर्तक बुखार के साथ-साथ सरदर्द, जोड़ों में दर्द तथा सूजन और त्वचा के लाल (दाने) चकत्ते के लक्षण भी दिखाई देते है। हालाकि यह बीमारी जानलेवा नहीं है किंतु इलाज न कराने पर मरीज़ को अत्यधिक कमज़ोरी महसूस होती है।

1.2 यह कितनी आम है?

यह बीमारी बहुत ही गैर मामूली है। आज, पूरे विश्व में १० से कम व्यक्ति इस बीमारी का शिकार हुए हैं।

1.3 बीमारी के कारण क्या है ?

एन एल आर पी-१२ से संबंधित आवर्तक बुखार एक आनुवंशिक बीमारी है। इस बीमारी का कारण एन एल आर पी०१२ (या एन एल ए पी-१२) नामक अनुवंश है। यह अनुवंश शरीर की सूजन संबंधी प्रतिक्रिया के खराबी के लिए जिम्मेदार है। इसकी खराबी की क्रियाविधि पर शोध कार्य अभी जारी है।

1.4 क्या यह बीमारी माता-पिता से मिलती है?

हाॅ, यह बीमारी विरासत में मिलती है। इसका अर्थ-यह है कि रोगी के माता या पिता में से कोई एक व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित है। कभी कभी ऐसा भी होता है कि परिवार का कोई अन्य सदस्य आवर्तक ज्वर से पीड़ित नहीं होता है। इसके दो कारण हो सकते हैं। या तो गर्भ धारण के समय ही यह अनुवंश क्षतिग्रस्त हो जाता है या फिर माता या पिता जो इस बीमारी से पीड़ित है, वे इस बीमारी से संबंधित लक्षण बहुत कम प्रदर्शित करते हैं।

1.5 मेरे बच्चे को यह बीमारी क्यों हुई है? क्या इसे रोका जा सकता है?
बच्चों को यह बीमारी माता या पिता से विरासत में मिली है। माता या पिता में से किसी एक में एन एल आर पी-१२ नामक परिवर्तित अनुवंश होता है। परंतु यह जरूरी नहीं है कि परिवर्तित अनुवंश का वाहक इस बीमारी के लक्षण प्रदर्शित करें। फिलहाल इस बीमारी को रोकने के लिए कोई साधन/दवाइयाँ नहीं है।

1.6 क्या यह छूत से लगने वाली बीमारी है?
नहीं, ऐसा नहीं है। केवल आनुवंशिक परिवर्तन से पीड़ित लोग ही इस बीमारी का शिकार होते हैं।

1.7 इसके मुख्य लक्षण क्या है?
बीमारी का मुख्य लक्षण बुखार है। बुखार ५-१० दिनों तक रहता है और कुछ हफ्तों और महीनों के अंतराल में बार-बार आता है बुखार के साथ-साथ कई बार सरदर्द, जोड़ों में सूजन तथा दर्द, त्वचा के लाल चकत्ते तथा वात-रोग के लक्षण भी नज़र आते हैं। एक परिवार में केवल तंत्रिका संबंधी बहरापन देखा गया था।

1.8 क्या हर बच्चे को एक जैसी बीमारी होती है?
यह बीमारी हर बच्चे में एक जैसी नहीं होती। यही नहीं, उसी बच्चे में इस बीमारी की किस्म, अवधि और गंभीरता भी अलग-अलग हो सकती है।

1.9 क्या बच्चों में यह बीमारी बड़ों से भिन्न होती है?
मरीज़ों के बड़े होने के साथ-साथ बुखार का आना कम हो जाता है। लेकिन यह पाया गया है कि अधिकतम मरीज़ों में बीमारी की कुछ न कुछ सक्रियता हमेशा रहती है।